MAHD-05

June - Examination 2016

MA (Final) Hindi Examination

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

Paper - MAHD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब', 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

(i) संस्मरण की परिभाषा लिखिए।

(ii) ''यह कथा उन्हीं अंधों की है। या कथा ज्योति की है अंधों के माध्यम से'' प्रस्तुत पंक्तियों का रचनाकार कौन है तथा किस रचना से उद्धृत की गई है?

(iii) 'रिपोर्ताज' की परिभाषा लिखिए।

(iv) नहुष नाटक के रचयिता कौन है?

(v) ''कविता क्या है?'' निबंध के निबंधकार कौन है?

(vi) एकांकी नाटक किसे कहते है?

(vii) यशपाल की आत्मकथा का नाम लिखो।

(viii) निर्मलवर्मा को किस कृति पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2) हिन्दी नाटकों में मोहन राकेश के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

3) रेखाचित्र विधा के आधारपर 'भाभी' की विवेचना कीजिए।

4) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबन्ध का शिल्प–विन्यास स्पष्ट कीजिए।

5) 'अंधायुग' के कथानक को संक्षेप मे लिखिए।

6) ''प्रसाद के नाटकों में एक अतीत जीवित बोल रहा है और वर्तमान के प्रति उसमें एक संदेश है।'' इस कथन की समीक्षा उदाहरण सहित कीजिए।

7) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''समाजवाद परेशान है, उधर जनता भी परेशान है। समाजवाद आने को तैयार खड़ा है, मगर समाजवादियों मे आपस में धौल–धप्पा हो रहा है। समाजवाद एक तरफ से उतरना चाहता है कि उसे पत्थर पड़ने लगते हैं, खबरदार उधर से मत जाना। एक समाजवादी उसका एक हाथ पकड़ता है तो दूसरा हाथ पकड़कर उसे खींचता हैं। तब बाकी समाजवादी छीना–झपटी करके हाथ छुड़ा लेते हैं। लहुलुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है।''

8) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

''मेरा सुझाव माना जाता तो मैं झांकी में झूठे मास्टर रोल करते दिखातां। चुकारा करनेवाले का अंगूठा हजारों मूर्खों के आगे लगवाता, नेता, अफसर, ठेकेदार के बीच लेनदेन का दृश्य दिखाता। पिछले साल स्कूलों की टाट–पट्टी काण्ड से हमारा राज्य मशहूर हुआ है मैं पिछले साल की झाँकी में यह दृश्य दिखाता। मंत्री अफसर वगैरी खड़े है टाट्टी खा रहे हैं।''

9) **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

कमला पति धवल नवल वस्त्र धारण कर माथे में भस्मी लगाए स्कूल आते। मैं जाता हीन–दीन मलीन कपड़े पहने धूल उड़ती चेहरे पर। मुझमें और कमला पति में ऐसा कोई साम्य न था कि हम मिलते। वह तुंग हिमालय श्रृंग, मैं धूलि धँसी धरती की।''

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10) निर्मल वर्मा के यात्रा वृतांत के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

11) काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था निबंध का विश्लेषण कीजिए।

12) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषताएँ लिखिए।

13) नाट्य तत्वों के आधार पर जयशंकर प्रसाद के नाटक 'चन्द्रगुप्त' की तात्विक समीक्षा कीजिए।